सबक़ – 15 नमाज़ : रुकू व सुजूद के अज़कार

I. अ़रबी बोल-चाल पहले अ़रबी इबारत पढ़ये, फिर एक एक अ़रबी शब्द पढ़ते हुए उसका हिन्दी तरजुमा कीजिये और आखिर में जुमले का हिन्दी तरजुमा पढ़ये ।

		كَيْفَ الصِّحَّة؟	كَيْفَ صِحَّتُك ؟
		सेहत (तबियत) कैसी है ?	आपकी सेहत कैसी है ?

II. ग्रामर TPI के तरीके को इसतिमाल करते हुए ग्रामर सीखिये, (सोचये, देखये, बोलये, बताइये ...)
نَصَرَ (VT-1b) की गरदान जो इस सबक़ के आखिर में दी गई है पाँच मिन्ट दोहराइये (सिर्फ़ 21 सीग़ों को मुअन्नस के मज़ीद दो सीग़ों के साथ). इस से पेहले आपने فَتَحَ، يَفْتَحُ، اِفْتَحْ VT-1a के अफ़आल सीखे । ये बाब نَصَرَ VT-1b है. बुनियादी गरदान वही فَعَلَ की है फ़र्क़ सिर्फ़ ज़ेर, ज़बर, पेश का है. यहाँ نَصَرَ، يَنْصَرُ، اِنْصَر के बजाये نَصَرَ، يَنْصُرُ، اُنْصُر है.

एहम नोट : इस किताब के आखिर में सफह न. A-3 का टेबिल एक नज़र देख लीजिये ।

III. क़ुर्आन व हदीस से पहले अ़रबी इबारत पढ़ये, फिर एक एक अ़रबी शब्द पढ़ते हुए उसका हिन्दी तरजुमा कीजिये और आखिर में जुमले का हिन्दी तरजुमा पढ़ये ।

मेरा रब पाक है अज़मत वाला है. सुन ली अल्लाह ने जिसने उसकी तारीफ़ की. ऐ हमारे रब तेरे ही लिए हर क़िस्म की तारीफ़ है.

मेरा रब पाक है, जो सबसे बुलंद है. पाक है तू ऐ अल्लाह, ऐ हमारे रब और तारीफ़ है तेरे लिए ऐ अल्लाह बख़्श दे मेरे लिए मेरे तमाम गुनाह.

ऐ अल्लाह मेरी बख़्शिश कर और मुझ पर रहम फ़रमा, और मुझको हिदायत दे. और मेरे नुक़सान की तलाफ़ी कर दे, और मुझे आफ़ियत दे, और मुझे रिज़्क़ दे. और मुझे रफ़अत व बुलंदी अता फ़र्मा.

***** 5. रुकू के अज़कार *****

لِمَنْ	سَمِعَ اللّٰهُ	الْعَظِيم ۞	رَ بِّيَ	سُبْحَانَ
उसकी जिसने	सुन ली अल्लाह ने	अज़मत वाला	मेरा रब	पाक है

الْحَمْدُ	وَلَكَ	رَ بَّنَا	حَمِدَهٗ ۞
हर क़िस्म की तारीफ़ है	तेरे ही लिए	ऐ हमारे रब	तारीफ़ की, उसकी

***** 6. सजदा के अज़कार *****

الْأَعْلَىٰ ۞	رَ بِّيَ	سُبْحَانَ
सबसे बुलंद	मेरा रब	पाक है

اغْفِرْلِي ۞	اَللّٰهُمَّ	وَبِحَمْدِكَ	رَبَّنَا	اللّٰهُمَّ	سُبْحَانَكَ
बख़्श दे मुझे	ऐ अल्लाह	और तारीफ़ है तेरे लिए	ऐ हमारे रब	ऐ अल्लाह,	पाक है तू

***** 7. दो सजदों के दरमियान बैठते वक़्त की दुआ *****

وَاهْدِنِي	وَارْحَمْنِي	اغْفِرْلِي	اَللّٰهُمَّ
और मुझको हिदायत दे.	और मुझ पर रहम फ़रमा	बख़्शिश कर मेरी	ऐ अल्लाह,

وَعَافِنِي	وَاجْبُرْنِي
और मुझे आफ़ियत	और मेरे नुक़सान की तलाफ़ी कर
وَارْفَعْنِي	وَارْزُقْنِي
और मुझे रफ़अत व बुलंदी अता फ़र्मा.	और मुझे रिज़्क़ दे.

सबक़ - 15: नमाज़: रुकूअ ओ सुजूद के अज़कार

1.अरबी बोल चाल:तर्जुमा कीजिये-

		كَيْفَ الصِّحَّة؟	كَيْفَ صِحَّتُكَ ؟

2. ग्रामर: نَصَرَ [92] के 21 सीग़े लिखये-

3. कुरआन ओ हदीस से: तर्जुमा कीजिये-

****************** 5. रुकू के अज़कार ******************					
لِمَنْ	سَمِعَ اللهُ	الْعَظِيمِ ۞	رَبِّيَ	سُبْحَانَ	
الْحَمْدُ	وَلَكَ	رَبَّنَا	حَمِدَهُ ۞		
***** 6. सजदा के अज़कार *****					
الْأَعْلَىٰ ۞	رَبِّيَ	سُبْحَانَ			
اغْفِرْلِي ۞	اَللّٰهُمَّ	وَبِحَمْدِكَ	رَبَّنَا	اللّٰهُمَّ	سُبْحَانَكَ
***** 7. दो सजदों के दरमियान बैठते वक़्त की दुआ *****					
وَاهْدِنِي	وَارْحَمْنِي	اغْفِرْلِي	اَللّٰهُمَّ		
وَارْفَعْنِي	وَارْزُقْنِي	وَعَافِنِي	وَاجْبُرْنِي		

सबक़ -15 : आज जो सबक़ आप ने सीखा है उस में उन अल्फ़ाज़ को लिखये या निशान्दही कीजिये जिन को आप पहले से जानते हों या पिछले असबाक़ में आप ने सीखा हो या जिन के माद्दे के अल्फ़ाज़ उर्दू या मानूस अरबी अल्फ़ाज़ में भी वही हों ।

अल्फ़ाज़	मानी	माद्दा	मानूस अल्फ़ाज़, तश्रीह, वग़ैरह	अल्फ़ाज़	मानी	माद्दा	मानूस अल्फ़ाज़, तश्रीह, वग़ैरह
الصِّحَّة	सेहत	ص ح ح		**ارْحَمْنِي**	और रह्म फ़र्मा मुझ पर	ر ح م	**رَحِمَ، يَرْحَمُ، اِرْحَمْ، رَاحِمْ، مَرْحُوم، رَحْمَة؟؟**
الْعَظِيم	अज़्मत वाला	ع ظ م	**عَظْمَة** : बड़ाई	**وَاهْدِنِي**	औ हिदायत दे मुझको	ه د ي	**هَدَى، يَهْدِي، اِهْدِ، هَادِي، مَهْدِيّ، هِدَايَة**
سَمِعَ	(उसने) सुना	س م ع	**سَمِعَ، يَسْمَعُ، اِسْمَع، سَامِع، مَسْمُوع، سَمْع**	**وَاجْبُرْنِي**	और मेरे नुक़्सान की तलाफ़ी करदे	ج ب ر	**جَبَرَ، يَجْبُرُ، أُجْبُر، جَابِرْ، مَجْبُور، جَبْر**
لِمَنْ	उसकी जिस ने	-	لِ + مَنْ : (लिये उसके जिसने)	**وَعَافِنِي**	और आफ़ियतदे मुझे	ع ف ي	**عَافَى، يُعَافِي، عَافِ، مُعَافٍ، مُعَافَى، مُعَافَاة**
حَمِدَهُ	तारीफ़ की उसकी	ح م د	**حَمِدَ، يَحْمَدُ، اِحْمَدْ، حَامِد، مَحْمُود، حَمْد**	**وَارْزُقْنِي**	और रिज़्क़दे मुझे	ر ز ق	**رَزَقَ، يَرْزُقُ، اُرْزُقْ، رَازِق، مَرْزُوق، رِزْق**
الْأَعْلَى	सब से बुलन्द	ع ل ي	عَلِيّ :बुलन्द	**وَارْفَعْنِي**	और रफ़अत ओ बुलन्दी अता फ़र्मा मुझे	ر ف ع	**رَفَعَ، يَرْفَعُ، اِرْفَعْ، رَافِعْ، مَرْفُوع، رَفْع؟؟**

مَصْدَر (Verbal noun)

मदद करना نَصْر ن ص ر उसने मदद की **نَصَرَ (92)**

Attached Pronouns	Imperfect Tense فِعْل مُضَارِع		Past Tense فِعْل مَاضِي		Detached Pronouns
ـهُ (ـهِ)	वह मदद करता है, करेगा	يَنْصُرُ	उसने मदद की	نَصَرَ	هُوَ
ـهُمَا (ـهِمَا)	वह दोनों मदद करते हैं करेंगे	يَنْصُرَانِ	उन दोनों ने मदद की	نَصَرَا	هُمَا
ـهُمْ (ـهِمْ)	वह मदद करते हैं, करेंगे	يَنْصُرُونَ	उन्हों ने मदद की	نَصَرُوا	هُمْ
ـكَ	आप मदद करते हैं करेंगे	تَنْصُرُ	आप ने मदद की	نَصَرْتَ	أَنْتَ
ـكُمَا	आप दोनों मदद करते हैं, करेंगे	تَنْصُرَانِ	आप दोनों ने मदद की	نَصَرْتُمَا	أَنْتُمَا
ـكُمْ	आप सब मदद करते है , करेंगे	تَنْصُرُونَ	आप सब ने मदद की	نَصَرْتُمْ	أَنْتُمْ
ـي (with noun) ـنِي (with verb)	मैं मदद करता हूँ, करूंगा	أَنْصُرُ	मैं ने मदद की	نَصَرْتُ	أَنَا
ـنَا	हम मदद करते हैं, करेंगे	نَنْصُرُ	हम ने मदद की	نَصَرْنَا	نَحْنُ
فِعْلَـ جَرِـ اسمـ	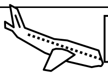 يَ تَ أَ نَ		ـ وْا تَ تُمْ تُ نَا 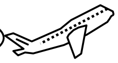		

Negative نَهْي		Imperative أمر		
मत मदद कर !	لاَ تَنْصُرْ	मदद कर!	اُنْصُرْ	Singular
दोनों मत मदद करो !	لاَ تَنْصُرَا	दोनों मदद करो !	اُنْصُرَا	Dual
मत मदद करो !	لاَ تَنْصُرُوا	मदद करो !	اُنْصُرُوا	Plural

Passive participle اسم مفعول		Active participle اسم فاعل		
वह जिसकी मदद की गई	مَنْصُور	मदद करने वाला	نَاصِر	Singular
	مَنْصُورَان، مَنْصُورَيْن		نَاصِرَان، نَاصِرَيْن	Dual
वह जिनकी मदद की गई	مَنْصُورُون، مَنْصُورِين	मदद करने वाले	نَاصِرُون، نَاصِرِين	Plural

مَجْهُول → Passive Voice

मदद की जाती है	يُنْصَرُ	मदद की गयी	نُصِرَ	هُوَ

← مَجْهُول Passive Voice